सबसे उपयुक्त विकल्प योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों के लिए गठित उप-समिति की द्वितीय बैठक की कार्यवृत्त।

12.03.2015 को नई दिल्ली में प्रोफ़ेसर पी.बी.एस शर्मा के अध्यक्षता के अंतर्गत सबसे उपयुक्त विकल्प योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों के लिए गठित उप-समिति की द्वितीय बैठक आयोजित हुई थी। उप-समिति के अध्यक्ष ने सभी सहभागियों का स्वागत किया। इस बैठक में उपस्थित होने वाले सहभागियों की सूची संलग्नक-I में प्रस्तुत की गई है।

दिनांकित 9 मार्च, 2015 के पत्र संख्या एस.सी.आई.एल.आर/तक/400/2(i)/2015/92-108 के माध्यम से संचारित (i) नदियों के अंतर्योजन (न.के.अं) की परियोजना के मुद्दों पर उपलब्ध भिन्न अध्ययनों/ रिपोर्टों के व्यापक मूल्यांकन हेतु गठित उप-समिति और (ii) सबसे उपयुक्त विकल्प योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों के लिए गठित उप-समिति के प्रथम संयुक्त बैठक की कार्यवृत्त की पुष्टि 11.03.2015 को आयोजित सबसे उपयुक्त विकल्प योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों के लिए गठित उप-समिति के अध्यक्ष द्वारा की जा चुकी थी।

उप-समिति के विचारणीय विषयों को कवर करता एक पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण पेश किया गया था। विस्तार-पूर्वक विचार-विमर्श के बाद निम्न निर्णय लिए गए थे:

- उप-समिति ने यह देखा कि इस उप-समिति की विचारणीय विषय, अर्थात "विशेषज्ञ निकायों के सभी रिपोर्टों और नदियों के अंतर्योजन के प्रादेश याचिका के लम्बमानता के दौरान माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर स्थिति रिपोर्ट पर विचार करना" नदियों के अंतर्योजन (न.के.अं) की परियोजना के मुद्दों पर उपलब्ध भिन्न अध्ययनों/ रिपोर्टों के व्यापक मूल्यांकन हेतु गठित उप-समिति के विचारणीय विषय 1 और 3 से मेल खाती है। अतः, यह निर्णय लिया गया कि समिति के बाकी के विचारणीय विषयों को पूरा करने के लिए इस उप-समिति के उपयुक्तता अनुसार उपरोक्त समिति के निष्कर्षों पर विचार किया जाएगा।
- उप-समिति ने सिफारिश की कि उप-समिति के कार्यों में सहायता के लिए व्यापक प्रणाली अध्ययनों/ अनुकरण अध्ययनों के विशाल कार्यों के निष्पादन और विभिन्न लिंक परियोजनाओं के लिए वैकल्पिक परिदृश्य प्रस्तुत करने में सक्षम कम से कम 4 वरिष्ठ स्तर और 4 कनिष्ठ स्तर सलाहकारों की सहायता की व्यवस्था की जानी होगी। वैकल्पिक रूप से, विभिन्न अनुकरण अध्ययनों और विभिन्न वैकल्पिक परिदृश्यों की प्रस्तुति का कार्य, सलाहकारी समनुदेशन के रूप में किसी प्रतिष्ठित संस्थान/ संगठन को सुपुर्द किया जा सकता है, जैसे कि आईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर, एनआईएच, एनआईटी, इत्यादि।
- रा.ज.वि.अ ने जिन तीन लिंक प्रस्तवों का विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर लिया है, उन तीन लिंकों के आवश्यक अध्ययनों हेतु उप-समिति इन्हें प्राथमिकता देगी।
- केन-बेतवा लिंक परियोजना की सार्वजनिक सुनवाई के दौरान प्रस्तुत इस परियोजना के पणधारियों के दृष्टिकोण और इस संबंध में अन्य लोगों के दृष्टिकोण पर विचार करने का निर्णय लिया गया था। इस सन्दर्भ में रा.ज.वि.अ द्वारा प्रासंगिक जानकारी प्रदान किया जाना है।
- उप-समिति-I के बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 26 मार्च, 2015 को दोनों उप-समितियों के संयुक्त बैठक के दौरान रा.ज.वि.अ केन-बेतवा लिंक चरण-I और चरण-II पर एक प्रस्तुतीकरण देगा और उसके बाद उप-समिति के विचारणीय विषय संख्या 2 और 3 के संबंध में प्रस्तुतीकरण पेश करेगा।

अध्यक्ष का धन्यवाद करते हुए बैठक समाप्त हुई।

ऊपर सूचित संशोधनों सहित अनुमोदन।

(पी.बी.एस शर्मा)

संलग्नक-I

सबसे उपयुक्त विकल्प योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों के लिए गठित उप-समिति की द्वितीय बैठक के सहभागी

1. प्रोफ़ेसर पी.बी.एस शर्मा — अध्यक्ष
   अ.भा.त.शि.प. के सदस्य(सेवा-निवृत्त), सीईडी, आईआईटी, दिल्ली

2. प्रोफ़ेसर कामता प्रसाद, — सदस्य
   अध्यक्ष, सं.प्र.आ.वि.सं,
   दिल्ली

3. डॉ शरद के जैन, — सदस्य
   वैज्ञानिक जी, रा.ज.सं,
   रूर्की

4. श्री एम. इलंगोवन, — सदस्य
   सेवा-निवृत्त मुख्य अभियंता, के.ज.आ

5. श्री श्रीराम वेदिरे, सदस्य
   सलाहकार, ज.सं,न.वि और गं.संमं

6. श्री एन.सी जैन, सचिव
   निदेशक (तकनीकी),
   रा.ज.वि.अ

विशेष अतिथिगण

7. श्री एस. मसूद हुसैन,
   महानिदेशक, रा.ज.वि.अ

8. श्री आर.के जैन,
   मुख्य अभियंता (मुख्यालय), रा.ज.वि.अ

9. श्री के.पी गुप्ता,
   अधिवीक्षण अभियंता,
   रा.ज.वि.अ